

न्यायालय :- राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर.

प्रकरण क्रमांक- /06 पुनर्विलोकन

Recd- 629/II/06

श्रीमती अर्चना बाई पत्नी अभिलाष कुर्मी
निवासी तलापार तहसील खुरई जिला सागर
म०प्र०
-----आवेदक

श्री १० को इत्यादि
द्वारा काय वि० २१/३/०६

राजस्व मण्डल न० १० ग्वालियर

विरुद्ध
हेमन्त कुमार ना०वा० पिता हुकुम सिंह पुत्र
श्री सिंह संरक्षक फूलरानी पत्नी रूप सिंह कुर्मी
निवासी ग्राम निर्तला तहसील खुरई
जिला सागर म०प्र०

-----अनावेदक

पुनर्विलोकन अन्तर्गत धारा 51 मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959
बाबत आदेश श्री मनोज श्रीवास्तव सदस्य निगरानी प्रकरण
क्रमांक-आर-1086/111/2005 आदेश दिनांक 30 जनवरी 2006

माननीय महोदय,

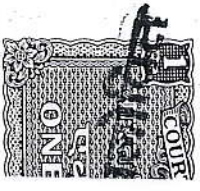
आवेदिका का प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार प्रस्तुत है :-

1- यह कि, माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश में कुछ ऐसी
भूलें हैं तथा कुछ आधारों को माननीय न्यायालय द्वारा विचार
नहीं किया गया और कुछ आधारों पर अपना निर्णय ही नहीं
दिया गया। तथा उक्त आधारों पर विचार न कर प्रार्थी न्याय
पाने से वंचित रही है इस कारण आलोच्य आदेश पुनर्विलोकन
योग्य है।

2- यह कि, आवेदिका द्वारा अपने निगरानी ज्ञापन में उठायी गयी
आपत्तियों का एवं मौखिक तर्कों का आदेश में न तो उल्लेख हो
सका है और न ही उनका विनिश्चयन किया गया है, यह

31.3.06

अनावेदक



राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

पुनरावलोकन प्रकरण क्रमांक : 629/II/2006

जिला सागर

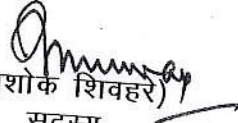
स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों के हस्ताक्षर
22.4.2014	<p>न्यायालयीन प्रक. 1086/III/2005 में तत्कालीन सदस्य द्वारा पारित आदेश दिनांक 30 जनवरी, 06 के पुनरावलोकन हेतु यह आवेदन प्राप्त हुआ है, जिस पर मान. अध्यक्ष राजस्व मण्डल की निराकरण हेतु अनुमति है।</p> <p>2/ पुनरावलोकन के आधारों पर आवेदिका के अभिभाषक के तर्क सुने तथा अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>3/ विद्वान अभिभाषक द्वारा तर्कों बताया कि पूर्व में पारित आदेश दि. 30 जनवरी, 06 में कुछ तथ्य ऐसे रह गये है जिससे आवेदिका न्याय पाने से बंचित हुई, कारण यह है कि इस पर विचार नहीं हुआ कि विक्रेता संरक्षक फूलरानी कुर्मी द्वारा विवादित भूमि अभिभक्त कुटुम्ब की संपत्ति से कय की है एवं भूमि को विक्रय करने का श्रीमती फूलरानी को अधिकार है। नावालिंग की पढ़ाई आदि के लिये भूमि का कुछ हिस्सा विक्रय किया गया है जिससे नावालिंग के हित प्रभावित नहीं हैं, किन्तु इन तथ्यों पर विचार किये बिना आदेश पारित हुआ है इसलिये आदेश दिनांक 30 जनवरी, 06 को पुनरावलोकन में लेकर सुनवाई की जावे।</p> <p>4/ आवेदिका के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों एवं पुनरावलोकन आवेदन में दिये गये आधारों का अवलोकन करने पर पाया गया कि न्यायालयीन प्र.क.1086/III/2005 में</p>	

पुनरावलोकन क्रमांक : 629/II/06

तत्कालीन सदस्य द्वारा पारित आदेश दिनांक 30-01-06 में संपूर्ण तथ्यों पर विचार कर निर्णय लिया है एवं बिना सक्षम अनुमति के नावालिग की भूमि का विक्रय पाये जाने से अधीनस्थ न्यायालयों के आदेशों को हस्तक्षेप योग्य नहीं माना है। आवेदिका के अभिभाषक अन्य कोई नया आधार नहीं बता सके, जिसके कारण आदेश दिनांक 30.1.06 का पुनरावलोकन किया जा सके। संहिता की धारा 51 के अनुसार पुनरावलोकन हेतु कम से कम निम्न आधारों में से कोई प्रबल आधार होना चाहिये -

1. किसी नई और महत्वपूर्ण बात या साक्ष्य का पता चला लिया है जो सम्यक तत्परता बरतने पर भी उसी समय जब आदेश किया गया था, पक्षकार के संज्ञान में नहीं आई अथवा उसके द्वारा पेश नहीं की जा सकी।
2. मामले के अभिलेख से प्रकट कोई ऐसी भूल या गलती, जो स्पष्ट दिखाई देती हो, भी नहीं बता सके हैं।
3. अन्य ऐसा कोई पर्याप्त कारण भी नहीं बता सके, जिसके आधार पर तत्कालीन सदस्य द्वारा पारित आदेश दिनांक 30-01-06 का पुनरावलोकन किया जाना लाजमी हो।

आवेदिका के अभिभाषक आदेश दिनांक 30.1.06 के पुनरावलोकन किये जाने हेतु कोई ठोस आधार प्रस्तुत नहीं कर सके एवं यह भी समाधान नहीं करा सके कि उक्त आदेश का पुनरावलोकन किया जाना किन कारणों से लाजमी है। अतः पुनरावलोकन आवेदन अमान्य किया जाता है। पक्षकार टीप करें। प्रकरण अंक से कम किया जाकर रिकार्ड रूम में जमा करें।


(अशोक शिवहरे)

सदस्य
राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर